खबर संक्षेप

निवास में श्रीमद् भागवत पुराण का आयोजन

मण्डला। निवास के श्री दादा दरबार लधाटोला में 2 जनवरी से श्रीमदभागवत पुराण एवं श्री रूद्र पंच कुंडीय यज्ञ, रूद्री निर्माण का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 2 से 10 जनवरी तक किया जा रहा है। बताया गया कि श्रीमदभागवत कथा में पं संतोष शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की संगीतमयी कथा सुनाई जाएगी। वहीं 10 जनवरी को पूजन, हवन, भण्डारा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

गॉव की बेटी योजना के निराकरण हेतु कैम्प का आयोजन

मण्डला। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला में अध्ययनरत एसटी, एससी एवं ओबीसी की छात्राएं जो गांव की बेटी योजना के लिये पात्रता रखती हैं उनके लिये महाविद्यालय में 03 दिवसीय दिनांक 07 से 09 जनवरी 2025 तक समय 12 बजे से 05 तक बृहद कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप ऐसे सभी छात्राएं जो गांव की रहने वाली हों एवं गांव से ही 12वीं कक्षा 60 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण की हो वे स्कूल के प्राचार्य का प्रमाण-पत्र, जनपद पंचायत सी.ई.ओ.का प्रमाण-पत्र ऑनलाईन पोर्टल में फॉर्म भरकर महाविद्यालय हार्ड कॉपी जमा करें। प्राचार्य डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया है कि गांव की बेटी योजना म.प्र. शासन की छात्राओं के लिये हितग्राही योजना है। छात्राओं को योजना त्वरित लाभ प्रदान करते हुए नवाचार के तहत कैंप का यह आयोजन महाविद्यालय में प्रारम्भ किया जा रहा है, जो न केवल जिला बल्की प्रदेश के लिये भी अनुकरणीय होगा। जिससे आवेदन पत्र सत्यापन हेतु विद्यार्थियों को कक्षा के समय भटकना नहीं पड़ेगा।

जिले में मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट के तहत लगेंगे शिविर

दृष्टि है तो सृष्टि है के सपने होंगे साकार

*** जिला योजना भवन में मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट दृष्टि है तो सृष्टि है के माध्यम से जिले के बच्चों और नागरिकों के नेत्र परीक्षण कर उनका उपचार किया जायेगा। इसके लिए स्कूलों में बच्चों और शिविरों में नागरिकों का नेत्र परीक्षण किया जायेगा। उन्होंने नेत्र परीक्षण के लिए लगाए जाने वाले शिविरों की जानकारी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिससे सभी बच्चों और नागरिकों का नेत्र परीक्षण हो सके और उन्हें मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट का लाभ मिल सके। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके शनिवार को जिला योजना भवन में मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट योजना के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के सभी नागरिकों को स्वस्थ रखना चाहते हैं। नागरिकों के स्वास्थ्य को लेकर विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। जिससे देश के नागरिक निरोग व स्वस्थ रह सकें।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट योजना को सफल बनाने के लिए आयोजित शिविरों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिससे इस योजना की जानकारी घर-घर तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि जिले के सभी बच्चों और नागरिकों के आंखों का परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। जिससे इस योजना के लाभ से कोई भी बच्चे या नागरिक वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन के द्वारा चिकित्सा, स्वास्थ्य, रोजगार, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार कर शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिससे शासन की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में सिकलसेल एवं एनीमिया की जांच कर पीड़ित नागरिकों का स्वास्थ्य विभाग के द्वारा उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट योजना में मैदानी अमले को भी जिम्मेदारी सौंपकर उनका टारगेट निश्चित किया जाए। जिससे वे शिविर के लिए सभी नागरिकों को आमंत्रित कर उनके आँखों की जांच करा सकें।

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दृष्टि दोष का शत प्रतिशत स्क्रीनिंग हेतु मंडला जिले का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि बच्चों और नागरिकों की आँखों की जांच के उपरांत चश्मे का वितरण किया जाएगा। इस कार्ययोजना में 6 से 18 वर्ष आयु के बच्चे और 45 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की आंखों की जांच कराई जाएगी। शासकीय, अशासकीय स्कूल के बच्चों और नागरिकों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि स्कूली बच्चों के नेत्रों की जांच स्कूलों में और 45 वर्ष से अधिक आयु के व्यस्कों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सामुदायिक स्तर पर शिविर लगाकर नेत्र परीक्षण किया जाएगा। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ और एएनएम के द्वारा सोमवार, बुधवार, गुरूवार और शनिवार को स्क्रीनिंग की जाएगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मंगलवार, शुक्रवार और शनिवार तथा हाट बाजारों में भी नेत्र विशेषज्ञ सहायकों के द्वारा स्क्रीनिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्तर पर जांच के लिए शैक्षिक संगठन, गैर सरकारी संगठन सहित जिला एवं जनपद स्तर पर वृहद नेत्र स्क्रीनिंग शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

लाल पत्थरों से सुसज्जित होगा महिष्मती घाट

*** केबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके ने दिये 01 करोड़ की राशि।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मण्डला नगर का रपटा धाम जिसे अब महिष्मती घाट के नाम से जाना जाता है देवउठनी ग्यारस से इस घाट पर पंचचौकी महाआरती भी प्रारंभ की गई है जिसका आकर्षण दिनोदिन बढ़ता जा रहा है। अब इस आकर्षण पर एक और सितारा जुड़ने जा रहा है जो है घाट की सुंदरता को इस तरह बढ़ाना कि यह घाट राष्ट्र के प्रमुख घाटों की श्रेणी में शामिल हो जाये।

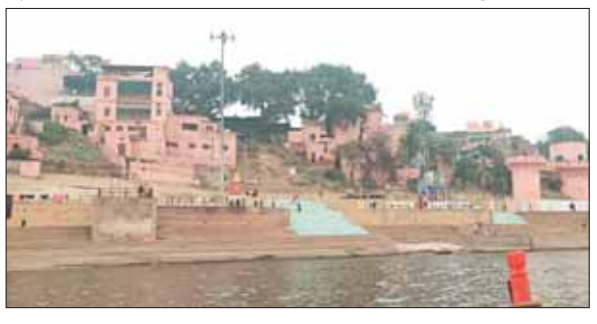

इसी उद्देश्य को लेकर प्रदेश की केबिनेट मंत्री एवं मण्डला की विधायक श्रीमति सम्पतिया उइके ने 01 करोड़ की राशि महिष्मती घाट के सौन्दर्य हेतु प्रदान की। इस राशि से 75 एमएम के लाल पत्थर जयपुर से मंगाये गये हैं इस तरह के लाल पत्थर पूरे महिष्मती घाट में लगाये जायेंगे और इन पत्थरों से निर्मित हुये घाट पर स्टील की रैलिंग भी लगाई जायेंगी। इस तरह से महिष्मती घाट को ऐसा स्वरूप प्रदान किया जायेगा कि यह घाट देश और प्रदेश में पर्यटन के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण स्थान साबित हो सके निश्चित रूप से पंचचौकी आरती प्रारंभ होने के बाद घाट की चर्चा न केवल नगर में बल्कि जिले एवं जिले से बाहर भी हो रही है जो भी मण्डला आता है वह महिष्मती घाट में पंचचौकी आरती में शामिल होने अवश्य पहुंचता है। नगर के विभिन्न समाजों के प्रमुखों द्वारा माह के अलग-अलग दिन महाआरती प्रारंभ करा दी गई है इसके अलावा अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह एवं अन्य मांगलिक अवसर पर भी महाआरती श्रद्धालुगण करा रहे हैं। शासन-प्रशासन के इस कदम की चहुंओर सराहना हो रही है।

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके आज दोपहर 12 बजे माहिष्मती घाट में सौन्दर्यीकरण का शुभारंभ करेंगी।

पायलट प्रोजेक्ट वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

मण्डला। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने शनिवार को जिला योजना भवन में मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट के तहत लगाए गए शिविर में अपने आंखों की स्क्रीनिंग कराई। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट के तहत 6 से 18 वर्ष की आयु के बच्चे और 45 वर्ष से अधिक आयु के नागरिक जरूर आंखों की स्क्रीनिंग कराएं। जिससे उनमें दृष्टि दोष पाए जाने पर चश्मा प्रदान किया जा सके। प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा और सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा ने शनिवार को जिला योजना भवन परिसर में मिशन नेत्र ज्योति पायलट प्रोजेक्ट वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सोनू भलावी, शिवा रानू राजपूत, श्रेयांश कूमट, राजेन्द्र कुमार सिंह, अरविंद सिंह, श्रीमती सोनल सिडाम, डॉ. केसी सरौते सहित पत्रकारगण और विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के उचित उपचार कराने हेतु रात्रि में जिला चिकित्सालय पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मण्डला जिले के पुरवा रोड में शुक्रवार की रात्रि में हुई भीषण सड़क दुर्घटना से दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है। दुर्घटना में गंभीर दो व्यक्तियों को उपचार हेतु जबलपुर रेफर किया गया है और दो घायल व्यक्तियों का जिला चिकित्सालय मंडला में उपचार चल रहा है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा सड़क दुर्घटना की खबर मिलते ही रात्रिकाल में जिला चिकित्सालय पहुंचकर मृतकों के परिजनों और दुर्घटना में घायल व्यक्तियों से मिले। उन्होंने जिला चिकित्सालय में भर्ती घायल व्यक्तियों का उचित उपचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने घायल व्यक्तियों पर लगातार निगरानी रखने व आवश्यकता पड़ने पर जबलपुर रेफर करने को कहा। सड़क दुर्घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने बताया कि पुरवा सड़क में दो वाहनों के भिड़ंत से भीषण सड़क दुर्घटना हो गई है। इस दुर्घटना से दो व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। दो व्यक्तियों को उपचार हेतु जबलपुर रेफर किया गया है। जिला चिकित्सालय मंडला में दो व्यक्तियों का उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने 35 लाख की लागत से बने टेनिस कोर्ट का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए शनिवार को पुलिस परेड ग्राउंड मंडला में 35 लाख की लागत से बने टेनिस कोर्ट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट ने टेनिस कोर्ट में टेनिस खेलकर इस खेल का शुभारंभ किया। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने इस अवसर पर जिलेवासियों को नववर्ष की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिट इंडिया के माध्यम से विभिन्न खेलों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसलिए युवाओं को विभिन्न खेलों के माध्यम से उन्हें आगे बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि टेनिस कोर्ट का निर्माण खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा 35 लाख की लागत से किया गया है। टेनिस कोर्ट के माध्यम से जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर नगर भाजपा अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार अजय वर्मा सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

लोकार्पण | **आदिवासी संस्कृति और ग्रामीण परिवेश को होम स्टे के माध्यम से मिलेगा बढ़ावा।**

चौगान में रानी महल व्यू, फारेस्ट व्यू और फार्म व्यू होम स्टे का लोकार्पण

*** होम स्टे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अभिनव पहल है।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि होम स्टे चौगान बहुत शानदार और ऐतिहासिक प्रयास है, जो कि जिले में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। पहले मंडला जिले में आने वाले पर्यटक कान्हा राष्ट्रीय पार्क में जंगल घूमकर चले जाते थे। अब चौगान में स्थित होम स्टे पर्यटकों को आदिवासी संस्कृति और ग्रामीण परिवेश से रूबरू कराएगी। जिससे आदिवासी संस्कृति और ग्रामीण परिवेश की पहचान देश-विदेश में फैलेगी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके शनिवार को चौगान होम स्टे के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के आगमन पर उनका आदिवासी परंपरागत लोकनृत्य, लोकगीत, ढोल-मंजीरे और कलश यात्रा निकालकर उनका स्वागत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री शिवा रानू राजपूत, सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट, एसडीएम घुघरी आकिप खान सहित समस्त मंचासीन प्रतिनिधियों को माटीशिल्प और गमछा भेंट कर स्वागत किया गया।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि होम स्टे पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए एक अभिनव पहल है। चौगान स्थित होम स्टे में उनके द्वारा पीएचई विभाग की एक मीटिंग का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारी एवं नागरिकों से आग्रह किया कि अपने परिवार सहित आकर होम स्टे में एक-एक दिन जरूर रूकें और आदिवासी संस्कृति तथा ग्रामीण परिवेश के बारे में जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि होम स्टे के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को रोजगार मिलेगा, जो कि एक अच्छी पहल है। उन्होंने बताया कि होम स्टे में आने वाले नागरिक यहां के प्राचीन इतिहास, संस्कृति, किले देख सकेंगे। जिसमें राजा हृदयशाह का महल, दलबादल महल, चिमनी बेगम का महल, रायभगत की कोठी सहित नर्मदा नदी, काला पहाड़ सहित अन्य स्थान प्रमुख हैं। उन्होंने होम स्टे का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने को कहा है जिससे पर्यटक होम स्टे की ओर आकर्षित हो सकें। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि होम स्टे में आने वाले पर्यटक आदिवासी संस्कृति के तहत लोकनृत्य, लोकगीत, पूजा-पाठ, बोली-भाषा, रीति-रिवाज, परंपराएं से अवगत होंगे। ग्रामीण परिवेश के तहत खेती करना, फसल काटना, बुआई करना इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। उन्होंने होम स्टे के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने के इस प्रयास के लिए आजीविका मिशन के कार्यों की प्रशंसा की।

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने आयोजित कार्यक्रम में बताया कि होम स्टे के माध्यम से मंडला जिले में आदिवासी संस्कृति और ग्रामीण परिवेश को बढ़ावा दिया जाएगा। ग्रामीणों को होम स्टे के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। होम स्टे में आने वाले पर्यटक प्राकृतिक वातावरण, वन, ग्रामीण परिवेश में शांतिपूर्वक समय बिता सकेंगे। पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति, भाषा, परंपरा और रीति-रिवाज के बारे में जानकारी हो सकेगी। होम स्टे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अभिनव पहल है, जिससे रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

होम स्टे में कोई भी पर्यटक या नागरिक विश्राम कर सकता है। उन्हें इसके लिए तीन हजार रूपए का भुगतान करना होगा, जिसमें भोजन भी शामिल है। होम स्टे में आदिवासी पेंटिंग, कैलेंडर, दरवाजे, खिड़कियां, टॉयलेट, बाथरूम, सोफा, बेड, आंगन, परदे, आलमारी की सुविधा प्राप्त होगी। होम स्टे में पर्यटक या नागरिक विश्राम कर सुकून के पल बिता सकेंगे।

तीन बच्चों के बावजूद प्राथमिक शाला में नहीं बन पा रही आपार आईडी

*** अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर उठे सवाल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के ग्राम पंचायत बिझिंया में स्थित प्राथमिक शाला संजयनगर में सिर्फ तीन बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, और इन बच्चों के अध्यापन के लिए तीन शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। इसके बावजूद, यहां बच्चों की आपार आईडी (Unique ID) बनाने का कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है, जबकि विभाग के निर्देश के अनुसार यह कार्य दिसंबर माह तक समाप्त हो जाना चाहिए था।

सूत्रों के अनुसार, संजयनगर प्राथमिक शाला में बच्चों की संख्या बेहद कम होने के बावजूद आपार आईडी का कार्य न होना रहना विभागीय लापरवाही को दर्शाता है। आपार आईडी के माध्यम से छात्रों का डेटा डिजिटली संग्रहित किया जाता है, जो उनकी शिक्षा संबंधी जानकारी को सरकारी सिस्टम में पंजीकृत करता है। इस काम में देरी होने से बच्चों का डेटा पंजीकरण प्रभावित हो सकता है, जिससे भविष्य में कई सरकारी योजनाओं और सहायता का लाभ नहीं मिल पाएगा।

इस विषय पर विभागीय अधिकारियों के खिलाफ सवाल उठ रहे हैं कि इतनी कम संख्या में बच्चों के बावजूद इस प्रक्रिया में देरी क्यों हो रही है। क्या यह कोई प्रशासनिक लापरवाही है या फिर किसी अन्य कारण से यह कार्य लंबित है, यह देखने वाली बात होगी।

इनका कहना है :-

संजय नगर प्राथमिक शाला से एक शिक्षक को व्यवस्था के तौर पर बिझिंया शाला संलग्न कर दिया गया है। आपार आईडी जल्द पूर्ण करने के लिए स्कूल निर्देश दिये गये है।

-रंजीत गुप्ता,
बीईओ मण्डला

खबर संक्षेप

शहर में फैल रही मच्छर जानित बीमारियां

गाडरवारा। ठंड के मौसम स्वास्थ्य के लिए बेहतर माना जाता है किन्तु इस वर्ष चल रहे दिसम्बर के बाद शुरू हुये जनवरी माह मे मौसम संक्रमण वाला रहने की स्थिति में कड़ाके की ठंड के बीच मच्छरों की आवाज कानों में सुनाई देना निश्चित तौर साफ सफाई व्यवस्था पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? वही दूसरी ओर आमजन के जनस्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। बताया गया है कि फिलहाल चल रहे अजीब मौसम के कारण सर्दी, जुकाम, हाथ पॉव मे जकड़न, बुखार, खॉसी को मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है और मच्छरजानित बीमारियॉ तैजी से फैल रही है। नगर के चिकित्सकों ने बताया कि आमतौर पर ठंड के मौसम में पहले कम लोग इसलिए बीमार पड़ते थें क्योंकि शीतऋतु मे स्वाभाविक तौर पर भूख प्रबल होने तथा सुकून देने वाली नींद आने से लोगों का स्वास्थ्य इतना बेहतर हो जाता था कि उन्हें डाक्टरों की सेवाऍं लेने की आवश्यकता ही नही पड़ती थी, किंतु आश्चर्य की बात है कि इस समय पड़ रही तेज ठंड के बीच मच्छरों के चलते लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे है और मरीजों से अस्पताल भरे हुए है। उन्होंने कहा कि शहर की गंदगी में रोज पनप रहे मच्छरो, खानपान में असाबधानी और ठंड, गर्मी से मिले जुले प्रभाव से आमजनों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। इसलिए जरूरी है कि लोग अपने घरों के आसपास की सफाई व्यवस्था ठीक रख अनचाही बीमारियों से निजात पायें।

गन्ने की पैदावार कम होने से किसान मायूस

कल्याणपुर। इस वर्ष खरीफ फसल सीजन में अल्पवर्षा से क्षेत्र के किसानों की फसले तो तबाह हुई ही है, साथ ही साथ बडे रकबे में लगी किसानों के गन्ने की फसल की पैदावार में भी भारी अंतर आने से क्षेत्र के किसान मायूस हो गए है। जिसको लेकर क्षेत्र के किसानों का कहना है कि पूर्व के वर्षो में एक एकड़ में जिस प्रकार से गन्ने का एबरेज पैदाबार 300 क्विंटल होती थी किन्तु इस साल अल्प वर्षा और किसानों को पर्याप्त बिजली न मिलने से गन्ने की फसल की पैदावार अधिकतम 150 से 200 क्विंटल रह गई है। इस हालत में गौर किया जावे तो वर्तमान में किसानों के साथ क्षेत्र के शुगर मिलों के संचालक भी परेशान है। गौरतलब है कि विगत माह क्षेत्र की शुगर मिलों में काम करने के लिए बाहर से आ चुके है और इन मिलों में किसानों का गन्ना ट्रेक्टर ट्रालियों में बिकने जा रहा है किन्तु शुगर मिलों के संचालको की माने तो उनकी शुगर मिलों में आवश्यकता के अनुसार गन्ने की आवक नही हो रही है। बताया जाता है कि फिलहाल क्षेत्र की शुगर मिलों में किसानों से गन्ने की खरीद कम दर होने से गन्ना उत्पादक किसान निराश है। किसानों का कहना है कि गन्ने की कम पैदावार होने से बैसे भी किसान हलाश है ऐसी स्थिति में किसानों को गन्ने की बाजिब कीमत मिलना जरूरी है।

राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर कब मिलेगी गड्ढो से निजात

सालीचौका। भले ही सरकार द्वारा हर वर्ष अपने बजट में नई सड़को का निर्माण कराने के लिये अरबों रूपया खर्च करने की बात कही जा रही है। मगर जिस प्रकार से पुरानी सड़को की स्थिति हो रही है उस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देने का परिणाम इस प्रकार से बन चुका है कि इन सड़को पर वाहन चालकों को सड़क खोजना मुश्किल होने लगा है? इस बात की सच्चाई इस समय राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख माने जाने वाले जबलपुर से भोपाल की ओर जाने वाले गाडरवारा पिपरिया के बीच देखने मिल रही है, जहां पर इस मार्ग पर गड्ढो की भरमार होने के कारण आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर समीपस्थ ग्राम पनागर के पास स्थित नाग मंदिर के समीप सड़क पर निकला हुआ गड्ढा अब वाहन चालकों के लिये जान लेवा साबित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है। बताया जाता है कि यह गड्ढा दिनों दिन अपना रूप बढ़ाते हुये दिखाई दे रहा है जिसके चलते वाहन चालकों का निकलना मुश्किल हो गया है। बताया जाता है कि अब इस मार्ग से निकलने वाले वाहनों से शासन प्रशासन द्वारा टोल टेक्स के रूप में राशि बसूलने की भी तैयारी कर डाली है ।

शासकीय भूमि पर निजी विज्ञापनदाताओं का हुआ कब्जा

शासन की योजनाओं के विज्ञापन मात्र कोने की दीवारों तक हो गये सीमित

अधिकारियों की अनदेखी मनमानी करने वालों के हौसलों को बना रही बुलंद...

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि प्रशासन का आदेश संपूर्ण जिले के लिये माना जाता है और यदि किसी अधिकारी द्वारा कोई आदेश जारी होता है तो वह संपूर्ण जिले में लागू रहता है। मगर शासकीय भूमि पर लगे हुये होडिंग्स को हटाने की कार्यवाही मात्र जिला मुख्यालय तक ही सीमित रहना चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है..? नगर पालिका में यदि इस समय देखा जावे तो अवैध रूप से सड़को के किनारे जिस तरह से होडिंग्सों की भरमार देखी जा रही है वह यातायात में बाधा पहुंचाने से नही चूक रही है। सच्चाई इस तरह से बनी है कि सरकारी भूमि पर जहां निजी विज्ञापन दाता अपना अधिपत्य समझते हुये होडिंग्स टागने में कोई कसर नही छोड़ रहे है तो दूसरी ओर शासन की योजनाओं से संबंधित विज्ञापन मात्र कार्यालयों के कोने की दीवारों तक सीमित होकर रह गये है। जबकि शासन द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं को जिन स्थानों पर प्रचार प्रसार के लिये होडिंग्स स्थापित होना चाहिये थें उन स्थानों पर निजी विज्ञापन दाताओं द्वारा अपना कब्जा जमाते हुये दुकानों से लेकर अपने जन्म दिनों के नियम विरूध होडिंग्स लगाये जा रहे है। स्थानीय स्तर के जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी के चलते नगर की सरकारी भूमि पर इस तरह होडिंग्स लगाने वालों के हौसले बुलंद होने के साथ साथ वह हर मार लाखों रूपया की राशि कमाते हुये अपनी जेबे भरने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? नियमों को दर किनार करते हुये नगर में जहां तहां लगे हुये होडिंग्सो की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो हाल यह बना हुआ है कि स्थानीय अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है। वह पूर्णरूप से यातायात में बाधक बनने के साथ साथ मनमानी करने वालों के हौसलों को बुलंद बनाने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर नगर में जहां तहां लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ के चलते लगाये जाने वाले यह होडिंग्स नगर की सुन्दरता को ग्रहण लगाने में भी कोई कसर नही छोड़ रहे है। जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि नगर पालिका क्षेत्र में जब कोई होडिंग्स स्थापित किये जाते है तो उनकी नगर पालिका द्वारा अनुमति प्रदान की जाती है और उसके बदले में नगर पालिका द्वारा होडिंग्स लगाने वालों से निर्धारित शुल्क लिया जाता है। वही होडिंग्स लगाते समय इस बात का भी विशेष ध्यान रखा जाता है कि होडिंग्स इस तरह के स्थान पर स्थापित किये जावे जिससे किसी को परेशानी या फिर वाहन चलाने वालों को दिक्कत पैदा न करे..? मगर इस समय नगर की स्थिति इस तरह से देखी जा रही है कि जिसमें मन में जहां आता है वहां पर अपने होडिंग्स खड़े कर दिये जाते है और इस तरह मनमानी के चलते जहां संपूर्ण नगर के मुख्य मार्ग होडिंग्सों से भरे पड़े हुये है जिसके चलते यह होडिंग्स यातायात में बाधक बनने से नही चूक रहे है। जबकि इस तरह अवैध होडिंग्सों को लेकर कुछ साल पहले मा. उच्च न्यायालय द्वारा जहां तहां लगे हुए होडिग्स पर नपा प्रशासन को आदेश देते हुए कार्यवाही किये जाने का आदेश जारी किया गया था जिसके चलते तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा भी इस तरह मनमाने स्थानों पर स्थापित किये गये होडिंग्सों को हटाने के लिये आदेश दिये गये थें। वही शहरों में शासकीय भूमि पर स्थापित किये जाने वाले होडिंग्सों के खिलाफ सख्त कार्यवाही होते हुये देखा जाने लगा था। मगर अब इस सच्चाई को स्थानीय स्तर के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है उसका परिणाम है कि शहर की सड़के नियम विरूद्व लगे हुये होडिंग्सों के चलते भरी पड़ी हुई है जिन्हें अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन देखते हुये निकलने के बाद भी उनकी चुप्पी सबालों को जन्म देने से नही चूक रही है। नगर की सच्चाई पर गौरर किया जावे तो इस समय शहर की लगभग सभी सड़को के किनारे जिस प्रकार से होडिंग्सों की भरमार देखने मिल रही है उसके चलते आमजन को काफी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है तथा अधिकारियों की चुप्पी के चलते इस तरह मनमानी करने वालों के होसले लगतार बुलंद रहने की स्थिति में इन होडिंग्सों की संख्या में प्रतिदिन इजाफा होने से नही चूक रहा है। सड़को कि किनारे लगाये गये बड़े बडे होडिंग्सों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि सड़कों पर यह सामने दिखाई देने वाली जगह को इस प्रकार से घेर लेते है कि वाहन चालक को सामने से आने वाला दूसरा वाहन ही दिखाई नही देते है जिसके चलते सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति निर्मित होने से इंकार नही किया जा सकता है? वही दूसरी ओर जब वाहन चालक शहर के अंदर अपने वाहन को चला रहा होता है तो उसका ध्यान सड़क किनारे लगे हुये होडिंग्सों पर होने के कारण दुर्घटना की संभावना बनने से नही चूक रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जिला मुख्यालय पर भी देखने मिल रही थी। इस सच्चाई को मिडिया द्वारा द्वारा उजागर किये जाने पर वहां के अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लेते हुये इस तरह सड़क किनारे स्थापित किये गये होडिंग्सों के खिलाफ नगर पालिका प्रशासन द्वारा सख्ती के साथ मुहिम चलाते हुये हाटने की कार्यवाही करते हुये नियम विरूद्व लगाये गये होडिंग्सों में उपयोग की गई सामग्री को भी जप्त किया गया है। मगर हैरत इस बात की है कि यह मुहिम मात्र जिला मुख्यालय तक सीमित होकर रह जाने के चलते नगर में नियम विरूध अवैध रूप से हा स्थापित करने वालों के हौसले बुलंद होते हुये देखने मिल रहे है तो दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर प्रशासन की भूमिका संरक्षण के मुद्रा में प्रतीत होने से नही चूक पा रही है..?

नगर से लेकर गांवों में यदि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की जांच हुई तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने की संभावना से नहीं किया जा सकता इंकार?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

निश्चित तौर से देश के प्रधानमंत्री द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुये प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरू आत की गई थी जिसके पीछे उनकी सोच थी कि अनेक लोग इस तरह से है जो अपने परिवार के साथ कच्चे व खस्ता स्थिति में पहुंच चुके मकानों में निवास करने के साथ साथ उनके बच्चों की जिन्दगी खतरे से खाली नही है। इस तरह यह लोग कभी भी पक्के मकानों में रहने का सपना नही संजो सकते थें। यदि इस योजना का लाभ सही रूप से वास्तविक पात्र हितग्राहियों को मिल जावे तो निश्चित तौर से उनके चेहरों पर खुशी देखने नही चूक पायेगी? क्योंकि देश के प्रधानमंत्री द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुये शुरू की गई इस योजना का लाभ वास्तविक पात्र हितग्राहियों को मिलने की जगह धनवान लोग अधिक लेते हुये देखे जा रहे है। जिसके चलते निश्चित तौर यह गरीब व जन हितैषी योजना गरीबों की जगह अधिकारियों से लेकर अमीर प्रभावशालियों के लिये कामधेनू बनने से नही चूक रही है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो अभी तक शहर गांवों में इस योजना के तहत बनाये गये आवासों की निष्ठा के साथ जांच की जावे तो अनेक इस तरह के लोग आसानी से मिल सकते है जिनके पास पहले से ही पक्के आवास होने के बाद भी इस योजना का लाभ लेकर जहां उनके द्वारा अपने भवनों को हबेली का रूप दे डाला है तो दूसरी ओर अनेक वास्तविक हितग्राही आज भी इस योजना का लाभ लेने के लिये भटकते हुये देखे जा रहे है तो कुछ लोगों के हाल तो इस प्रकार से है कि एक ही परिवार में रहते हुये अलग अलग नामों से इस योजना का लाभ लेते हुये शानदार बिल्डिंगे खड़ी कर डाली है? इस तरह आवास योजना में चल रहे गफलतबाजी की सच्चाई पर यदि गौर किया जावे तो इसमें अधिकारियों की अहिम भूमिका सामने आने से नही बच पायेगी? क्योंकि शासन के अधिकारियों द्वारा शहर में आवास योजना के नाम पर बांटे गये पट्टो का हाल तो इस तरह चर्चाओं में सुनाई दे रहा है कि नगर में एक ही परिवार में अलग अलग लोगों को पट्टे प्रदान करते हुये इस योजना का लाभ दिया जा रहा है तो कुछ इस तरह के भी मिल सकते है जिनके परिवार में लोग सरकारी नौकरी के साथ साथ इनकम टेक्स भरने के बाद भी इस योजना का लाभ लेने की सूची में अधिकारियों की कृपा दृष्टि के चलते पात्र हितग्राही बन गये है? इतना ही नही प्रधान मंत्री आवास योजना की सूची में उन लोगों को भी शामिल किये जाने का प्रावधान था जिनके पास कच्चा मकान है या फिर कम से कम 450 वर्ग फुट जमीन है उन लोगों को इस योजना का लाभ प्रदान किया जाना था। मगर जनचर्चाओं में सुनने मिल रहा है कि जिम्मेदार अधिकारियों की मिली भगत से मात्र चंद फिट जमीन धारियों से लेकर जिन लोगों के परिवार जन सरकारी नौकरी कर रहे है उन हितग्राहियों को इस योजना में शामिल करते हुये राशि प्रदान करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि अधिकारियों द्वारा आवास योजना का निर्माण करने के लिये निर्धारित मात्रा में जिन लोगों के पास भूमि ही उपलब्ध नही है तो फिर शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि से वह आवास बनाने से तो रहे निश्चित तौर से वह राशि दुरूपयोग होने से नही बच पायेगी? इसी के चलते मांग उठाई जा रही है कि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेने वाले सभी पात्र हितग्राहियों की सूची सार्वजनिक रूप से उजागर करते हुये इसकी निष्ठा के साथ जांच कराई जावे? यदि आवास योजना के हितग्राहियों की जांच होती है तो शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत अनेक तरह से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी तो दूसरी ओर अनेक अधिकारी बेनाकाब हो जावेगे? क्योंकि अनेक लोगों को आवास योजना के तहत शासन द्वारा राशि प्रदान किये जाने के बाद भी उनके यहां किसी भी तरह से कोई आवास का निर्माण नही हुआ है अपने पुराने आवासों पर सिर्फ योजना का नाम लिखबाते हुये शासन की राशि हडपने में कोई कसर नही छोड़ रहे है?

लापरवाही के चलते लोगों के घरों के जलकर खाक हुई विद्युत सयंत्र

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

जब कोई विद्युत उपभोक्ता अपने बिलों को जमा करने में एक दिन की देरी कर देता है तो बिजली विभाग द्वारा उस पर जुर्माना लगाने में देर नही की जाती है। वही दूसरी ओर बिजली लाईनों के रख रखाब को लेकर बिजली विभाग द्वारा बिलों के साथ अन्य प्रकार के शुल्क जोड़ते हुये बसूली की जाती है। मगर ग्रामीण क्षेत्र में बिजली लाईनों के रख रखाब में विद्युत विभाग द्वारा की जा रही अनदेखी व लापरवाही का परिणाम ग्रामीणों को आर्थिक क्षति का सामना करते हुये भोगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस ग्राम कल्याणपुर में उस समय देखने मिली जब विद्युत सप्लाई के दौरान अचानक हाई बोल्टेज आने के कारण लोगों के घरों में चल रहे विद्युत संयत्र जलकर खाक होने से नही बच पाये। इस तरह अचानक हाई बोल्टेज आने के चलते ग्रामवासियों के घरों में चल रहे फ्रीज, टेली विजन, मोबाईल फोन के चार्जर, बल्प सहित अन्य प्रकार की सामग्री जलने के कारण ग्रामीणों को लाखों की क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा है? इस सच्चाई से अवगत कराते हुये एक व्यक्ति द्वारा अपने घर की फ्रीज में लगी हुई आग की सच्चाई का दृश्य दिखाते हुये बताया कि जहां उसका हजारों की कीमत का फ्रीज इस तरह जग गया है कि मानों किसी के द्वारा उसमें आग लगाई गई हो..? इसी प्रकार के गांव के अन्य लोगों के घरों में भी बिजली से चलने वाले अनेक प्रकार के सयंत्र पूर्णरूप से जलकर खाक होने से नही बच पाये है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस तरह बिजली विभाग की लापवाही के चलते ग्रामीणों को जिस प्रकार से लाखों की क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा है इसकी भरपाई कौन करेगा..?

इंद्रावार्ड की त्रिवेदी कालोनी निवासी खाली प्लांटों में जमा गंदगी से परेशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के अंदर धनपतियों द्वारा अपने पैसों की दम पर जहां तहां प्लांट तो खरीद लिये गये है। मगर इसके बाद उन पर किसी भी प्रकार को निर्माण नही होने के कारण अब वह खाली पड़े हुये प्लांट आमजन के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक रहे है? बताया जाता है कि इन प्लांटों की न तो किसी भी प्रकार से कोई सुरक्षा की जा रही है और नही उन का उपयोग होने की स्थिति में यह खाली पड़े हुये प्लांटों पर जिस तरह गंदा पानी व कचरा एकत्र हो रहा है उसके चलते कालोनी में निवास करने वाले लोगों का सांस लेना भी दूभर होते हुये दिखाई पड़ रहा है। इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा समय समय पर उजागर किये जाने के बाद भी इस ओर न तो प्लांटों के मालिकों द्वारा किसी भी प्रकार का कोई ध्यान दिया गया है और न ही जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जिसका परिणाम है कि नगर में अनेक कालोनिया गंदगी से बजबजाते हुये देखी जा रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई शहर के इन्द्रावार्ड के अंतर्गत आने वाले त्रिवेदी कालोनी में देखने मिल रही है जहां पर खाली पड़ी हुई जगह पर लोगों के घरों से निकलने वाला गंदा पानी भरा होने के कारण

अनेक प्रकार के मच्छर सहित जहरीले जींव जन्तु जन्म ले रहे है। वही दूसरी ओर कचरा पड़ा होने से उससे निकलने वाली दुंगन्ध से लोगों को सांस लेना भी मुश्किल हो गया है? कभी कभी स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिलती है कि खाली जगह पर अधिक पानी एकत्र हो जाने के कारण यह गंदा पानी लोगों के घरों में घुसने से भी नही बच पाता है। इस संबंध में वार्ड के संजीव भाई का कहना है कि इस परेशानी को लेकर हमारे द्वारा अनेकों बार नगर पालिका प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है। मगर अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है। कुछ इसी प्रकार से वार्ड के अन्य व्यक्ति का कहना है कि खाली जगहों पर एकत्र हो रहे गंदे पानी के कारण लोगों का अपने घरों से निकलने की बात तो दूर घर के अंदर भी सांस लेना दूभर हो चुका है। इस संबंध में अनेकों बार नगर पालिका सहित अन्य अधिकारियों को अवगत कराते हुये कार्यवाही की मांग किये जाने के बाद भी आज तक किसी के द्वारा कोई ध्यान नही दिया गया है इस स्थिति में त्रिवेदी कालोनी निवासी लोग नरक जैसी जिन्दगी जीने के लिये मजबूर हो चुके है। जबकि नियम के अनुसार यदि कोई व्यक्ति किसी जगह पर कोई जमीन व प्लांट खरीदता है तो उसके रख रखाब से लेकर सुरक्षा की जिम्मेदारी प्लांट मालिक की होती है कोई जगह शासकीय होती है तो उसकी जिम्मेदार संबंधित विभाग की होती है, मगर यहां पर खाली पड़ी हुई जगह जिस प्रकार से गंदगी से सराबोर हो रही उस ओर न तो उसके मालिकों द्वारा किसी तरह से ध्यान दिया जा रहा है और नही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा जिसके चलते कालोनी के लोगों को परेशानियों से जूझना पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

कल्याणी ने की पेंशन दिलाये जाने की मांग

डिंडौरी । विगत दिन ग्राम धुर्रा निवासी एक कल्याणी महिला कलेक्ट्रेट पहुंच कलेक्टर के नाम लिखित आवेदन प्रस्तुत की ,जिसमें कल्याणी पेंषन बहाल करने की मांग की है। आवेदिका ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि अनाथ होने के साथ साथ भूमिहीन और असहाय है, उसके पति का वर्षो पहले निधन हो चुका है जिसके बाद उसका कोई सहारा नही है । शासन की योजना के मुताबिक कल्याणी पेंषन योजना का उसे लाभ मिलता था लेकिन तीन चार माह से अचानक पेंषन मिलना बंद हो गया इस बावद सरपंच सचिव सहित बैंक के चक्कर लगा रही है पेंषन बंद होने के संबंध में जब पूछताछ करती है तो उसे डांटडपटकर भगा दिया जाता है। महिला पदनिया बाई ने बतलाया कि पेंषन मिलने से उसे आर्थिक सहयोग मिल जाता था जिससे वह अपना खर्चा चला पाती थी । लेकिन पेंषन बंद होने के कारण उसे अब आर्थिक तंगी झेलना पड रहा है। महिला ने आवेदन के माध्यम से गुहार लगाई है कि उसकी पेंषन बहाल की जाये ।

पद्मश्री सम्मान मिलने के बाद दोगुने उत्साह के साथ अपने मिशन में जुटे हैं अर्जुन धुर्वे

लोक नृत्य एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अर्जुन सिंह धुर्वे ने किये हैं अभिनव प्रयास

डिंडौरी

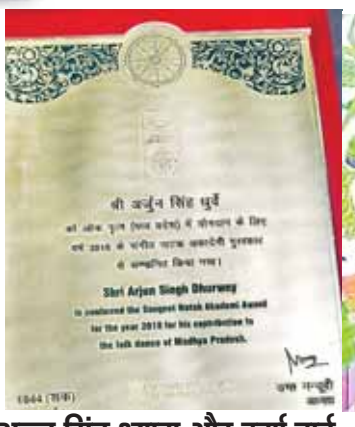

मध्यप्रदेश में डिंडौरी जिले की गिनती पिछड़े जिलों में शुमार होती है लेकिन आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले में एक से बढ़कर एक प्रतिभाएं हैं। डिंडौरी जिले में संस्कृति और कला का आकूत भंडार है। अबतक जिले की चार हस्तियों को संस्कृति एवं कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पदमश्री सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है जो जिले के लिए बड़ी उपलब्धि होने के साथ गौरव की बात है। डिंडौरी जिले में सबसे पहला पदमश्री शेख गुलाब जी को वर्ष 1972 में मिला था उन्हें यह सम्मान लोक कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला था फिर वर्ष 2018 में पाटनगढ़ गांव के रहने वाले गोंडी पेंटिंग कलाकार भज्जू श्याम को पदमश्री सम्मान से नवाजा गया। भज्जू श्याम के बाद वर्ष 2022 में दुर्गा बाई एवं अर्जुन सिंह धुर्वे को यह सम्मान मिला।

शेख गुलाब को 1972 में मिला था पदमश्री

योग कलाओं के हल्के में शेख गुलाब का बडा नाम रहा है, उनका जन्म अविभाजित मंडला जिले के डिण्डौरी में हुआ था अब मंडला से अलग होकर डिण्डौरी भी स्वतंत्र जिला बन गया है। तब यह गांव बहुत छोटा था नर्मदा किनारे नर्मदा के पानी से होकर इस अंचल की कला और संस्कृति जैसे शेख गुलाब की रगों दौडने फिरने लगी थी, इलाकाई नाच गाने का उन्हे जुनून सा था सारा समय इसी को तलाषने , देखने समझने, सुनने और बुनने में बीतता था। बिलकुल शुरूआती दौर में ही इस बात को पकड लिया था कि आने वाला समय पारंपरिक कलाओं की इस अनमोल धरोहर का है। इस काम के लिए डिण्डौरी का परिवेष जरा संकुचित लगा पर रोजीरोटी का सवाल था वे तालीम वाले महकमें से जुड चुके थे और कालपी जैसे गांव में षिक्षक के तौर पर तैनाती हुई जहां अपने काम में जुटे रहे और उनका नाम पूरे देष में फैलने लगा और इसी कारण दिलीप कुमार जैसी फिल्मी हस्ती उनसे कालपी मिलने पहुंचे। शेख गुलाब जनजाति कलाकारों और लोक संस्कृति की विरासत को आगे बढाने वाले पहले व्यक्ति थे जिन्होने जनजाति कला की दिषा में उत्कृष्ट कार्य किया था ।

भज्जू सिंह श्याम और दुर्गा बाई का गोंडी चित्रकला में मिला सम्मान

जिले के पाटनगढ के निवासी भज्जू सिह श्याम को गोंडी चित्रकला में उत्कृष्ट प्रदर्षन के लिए वर्ष 2018 में पदमश्री सम्मान दिया गया । उन्होंने जिले की पारंपरिक चित्रकला को देष विदेष में सतत कार्य करते हुए अलग पहचान दिलायी है। उन्हे देष के राष्टपति रामनाथ कोविद द्वारा सम्मान से नवाजा गया था । वहीं जिले के सनपुरी की रहने वाली दुर्गा बाई को भी पदमश्री सम्मान से 2022 में नवाजा गया है। मूलतः सुनपुरी की रहने वाली दुर्गा बाई 1976 से भोपाल में रहकर गोंड चित्रकारी का कार्य कर रही है। उन्होंने चित्रकला की बारीकियां अपने जीजा विख्यात चित्रकार जनगड सिंह श्याम से सीखी है दुर्गा बाइ ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की जीवन कथा को पेंटिंग के माध्यम से दिखाया है जो कि 11 अलग अलग भाषाओं में प्रकाषित हो चुकी है दुर्गा बाई फिलहाल भोपाल के कोटरा सुल्तानाबाद में रहती है।

अर्जुन सिंह को पदमश्री और तुलसी सम्मान मिला

जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच बसे वनग्राम धुरकुटा के निवासी अर्जुन सिंह धुर्वे का नाम जब पदमश्री सम्मान के लिए एनाउंस हुआ था तो उन्हें इसबात की जानकारी दूसरे दिन लगी थी क्योंकि उस वक्त उनके गांव में मोबाईल नेटवर्क तक नहीं था। अर्जुन सिंह धुर्वे अब शिक्षक की नौकरी से सेवानिवृत्त हो चुके हैं और उन्होंने शिक्षक रहते ही न सिर्फ अपने गांव बल्कि आसपास के कई गांवों में लोकनृत्य दल बनाये,उन्हें खुद प्रशिक्षण दिया और देश में कई जगहों पर मंच उपलब्ध कराया। अर्जुन सिंह धुर्वे के ही अथक प्रयासों का नतीजा है की अब बैगा जनजाति बाहुल्य ग्रामों में सौ से भी ज्यादा नृतक दल तैयार हो चुके हैं। एक नृतक दल में 15 सदस्य होते हैं मतलब सैंकड़ों युवा लोकनृत्य दल से जुड़ चुके हैं। अर्जुन सिंह धुर्वे खुद विशेष संरक्षित बैगा जनजाति से आते हैं जिसके कारण पूरे बैगाचक में उनकी एक अलग पहचान है। बताया यह भी जाता है की अर्जुन सिंह धुर्वे देश के पहले बैगा आदिवासी हैं जिन्होंने पोस्ट ग्रेजुएशन तक पढाई की है। अर्जुन सिंह धुर्वे अपना आदर्श शेख गुलाब जी को मानते हैं और पदमश्री सम्मान मिलने का श्रेय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हैं। पदमश्री से सम्मानित होने के बाद उम्रदराज होते हुए भी वे अपने काम को और ज्यादा उत्साह के साथ करते हैं। अर्जुन धुर्वे आज भी पहले की ही तरह गांव गांव जाकर लोकनृत्य के लिए युवाओं को तैयार करते हैं। पदमश्री के अलावा अर्जुन सिंह धुर्वे तुलसी सम्मान से भी सम्मानित किये जा चुके हैं। अपने संघर्ष के बारे में विस्तार से बताते हुए अर्जुन सिंह धुर्वे ने कहा की वे आने वाले साल 2025 में अपने क्षेत्र में संस्कृति और कला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संस्थान खोलना चाहते हैं जिससे उनकी विलुप्त हो रही संस्कृति को सहेजा और संवारा जा सके।

जिले की बडी उपलब्धि

जिले के चार कलाकारों को पदमश्री मिलने को लेकर कलेक्टर हर्ष सिंह ने इसे जिले की बड़ी उपलब्धि एवं गौरव का विषय बताया। कलेक्टर ने कहा की डिंडौरी जिला संस्कृति और कला के क्षेत्र में भरपूर है और आने वाले दिनों में जिले के अन्य कलाकारों को भी बड़े सम्मान मिलने की संभावना जता रहे हैं। वही लोक कला से जुडे लोगों और इनमें रूचि रखने वाले जिले के व्यक्तियों ने भी जिले के कलाकारों को मिले सम्मान को बडी उपलब्धि मान रहे है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि विरासत में मिली इस धरोहर को सवांरने और सम्हालकर रखने की जरूरत है जिले की पहचान बन चुके गोंडी चित्रकला और नृत्य देष विदेष में ख्याति हासिल कर रहा है।

फाइनल के रोमांचक मुकाबले में धबगढ़ की टीम बनी विजेता

अतिथियों ने कबड्डी के विजेता उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

डिंडौरी। जिले के करंजिया विसावखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भुसंडा में चल रहे कबड्डी प्रतियोगिता का गुरुवार की देर रात फाइनल मैच का आयोजन कर समापन कर दिया गया ।इस मौके पर फायनल में पहुंचे धबगढ और भुसंडा की टीम के बीच शुरु से अंत तक कड़ा मुकाबला बना रहा दोनों टीम के खिलाड़ी विजेता बनने की चाह में एक एक अंक के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिए किंतु धबगढ़ के अनुभवी खिलाड़ियों ने सुपर रेड ,सुपर टैकल सहित सभी क्षेत्रों में उम्दा प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम भुसंडा पर आखिर जीत हासिल कर ली। अनुभवी खिलाड़ियों के समक्ष यहां के खिलाड़ी कमजोर साबित हुए। इसी प्रकार बालिका वर्ग के बीच भी कबड्डी का मैच खेला गया जिसमें भुसंडा की टीम विजेता और उपविजेता बजाग रही।विजेता और उपविजेता को नगद राशि भेंट की गई ,मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते, जनपद सदस्य मधुबन धुर्वे, भाजपा नेता आशीष कौतू पूर्व सरपंच लखन वाटिया, सरपंच अमरसिंह परस्ते, ने विजेता और उपविजेता टीम को नगद राशि और शील्ड प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस दौरान कांग्रेसी नेता असलम खान , लालू धुर्वे, नरेंद्र परस्ते विशिष्ट अतिथि सम्पत धुर्वे शोभा राम धुर्वे गनपत तेकाम राजेश परस्ते कमलेश मरावी उधम परस्ते जगदीश धुर्वे हँसपाल मरावी नरेन्द्र परस्ते राधेश्याम धुर्वे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

यूकेलिप्टस बेचने के मामले में तत्कालीन बीएमओ को दूसरा नोटिस किया जारी

डिंडौरी । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में लगे यूके लिप्टस के दो पेड़ो की कटाई कर उनका विक्रय करने का मामला दिनों दिन गर्माता जा रहा है पेड़ो की कटाई के मामले में तत्कालीन बीएमओ की मुश्किल कम होती नजर नहीं आ रही है सीएचसी में मेडिकल ऑफीसर के पद पर पदस्थ ओर तत्कालीन बीएमओ रहे विपिन राजपूत द्वारा अस्पताल परिसर में लगे ग्राम पंचायत के अधिकार वाले यूकेलिप्टस के पेड़ो की कटाई करवाकर बेचने का मामला अब उनके गले की फांस बनता जा रहा है पेड़ो की कटाई के मामले में स्थानीय ग्राम पंचायत रैयत ने तत्कालीन बीएमओ को दोबारा नोटिस तामील कर जवाब तलब किया है उक्त मामले में ग्राम पंचायत द्वारा पूर्व में भेजे गए नोटिस का बीएमओ द्वारा संतुष्टि पूर्वक जवाब नहीं देने पर दूसरी बार पत्र भेजकर जबाव मांगा गया है इसके पूर्व बिना अनुमति लिपटिस काटने के मामले पर अठारह दिसम्बर को पहला नोटिस जारी किया गया था।जिस पर तत्कालीन बीएमओ संतोषप्रद पक्ष नहीं रख सके। मजबूरन ग्राम पंचायत ने दोबारा नोटिस देकर यूकेलिप्टस के पेड़ो का हिसाब मांगा है ग्राम पंचायत द्वारा बीएमओ को भेजे गए कार्यालयीन पत्र में उल्लेख किया गया है कि अस्पताल परिसर में लगे यूकेलिप्टस के पेड़ो को बिना अनुमति के कटवाया गया है आगे लिखा गया है कि आपके द्वारा जो पेड़ कटवाए गए है ग्राम पंचायत द्वारा उससे संबंधित कोई अनुमति पत्र नहीं दिया गया है ग्राम पंचायत द्वारा दो मई 2024 को जारी किए गए पत्र में ओपीडी और आई पी डी के मध्य लगे जर्जर पेड़ को काटने की सशर्त अनुमति दी गई थी जिसमें काटे हुए पेड़ो की लकड़ी ग्राम पंचायत को सुपुर्द करने को कहा गया था पत्र में लिखा गया है यह प्रतीत होता है कि आपके द्वारा पद पर रहते हुए पद का दुरूपयोग किया गया है और कटे हुए पेड़ो को बेचकर उससे प्राप्त राशि का गबन कर लिया गया है ग्राम पंचायत ने पत्र में पेड़ो की कटाई के संबंध में नियमो का हवाला भी दिया है जिसमें कहा गया है पेड़ों की कटाई के पूर्व ग्राम पंचायत और वन विभाग को जानकारी नही दी गई। ग्राम पंचायत ने दोनों ही यूकेलिप्टस के पेड़ो की कीमत करीबन पचास से साठ हजार रुपए आंकी है। और लिखा है कि तत्कालीन बीएमओ द्वारा किया गया कृत्य वन अधिनियम के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।इस मामले की जानकारी के लिए संबंधित अधिकारी को फोन लगाया गया ।परंतु उन्होंने रिसीव नहीं किया।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर का किया विरोध

डिंडौरी । जनपद बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत किकरातलाब में ,बड़ी संख्या में महिलाओ ने मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान शिविर का विरोध कर दिया। विरोध स्वरूप ग्राम की महिलाएं बर्तन रखकर हाथों में पोस्टर लिए सड़क पर बैठ गई और नाराजगी जाहिर कि है दरअसल शुक्रवार को जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया था, जहाँ पर ग्रामीणों ने शिविर से दूरी बना ली, शिविर में जिम्मेदार अधिकारी तो पहुंचे लेकिन कुर्सियां खाली थी, ग्रामीणों का आरोप है की गांव में सड़क, पानी जैसी मूलभूत सुविधा नहीं है,लम्बे अरसे से ग्रामीण प्रशासन से मांग कर रहे हैं वावजूद ग्रामीणों को सुविधाएं नहीं मिल पा रही जिसके कारण ग्रामीणों ने जनकल्याण शिविर से दूरी बना ली, हलाकि अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीण शिविर में पहुंचे तब कहीं शिविर का आयोजन हो सका। गौरतलब है कि ग्रामींणों ने विगत मंगलवार को जनसुनवाई में षिकायत दर्ज कराया था जिस लिखित षिकायत में पीएचई विभाग और ठेकेदार पर आरोप लगाया गया था कि विगत दो साल से जलजीवन मिषन के तहत नलजल से पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कार्य कराया जा रहा है जो अब तक पूर्ण नही कराया गया जिसके कारण ग्रामींणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नही हो पा रहा है। षिकायत में ग्रामींणों ने चेतावनी दी थी कि शीघ्र ही काम पूरा कर ग्रामींणों को पेयजल उपलब्ध नही कराया जाता है तो वह अमरकंटक डिण्डौरी मार्ग में चक्का जाम कर देगें। जिसके बाद आनन फानन में पीएचई्र्र विभाग के एस डी ओ और उपयंत्री किकरातलाब पहुंचे थे जिनके द्वारा ग्रामींणों को आष्वासन दिया था कि शीघ्र ही कार्य पूर्ण किया जायेगा और ग्रामींणों को पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा । बावजूद इसके ग्रामींणों ने शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराया है।

इनका कहना है –

समाधान हो गया है एक महीने के अंदर पीएचसी विभाग पानी उपलब्ध कराईगी सड़क भी जनभागीदारी मद बनाने के लिए बोला गया है ।

एम एल धुर्वे सीईओ बजाग

बलात्कार के आरोपी को समनापुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

डिंडौरी । समनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत 03 जनवरी को पीड़ित महिला की रिपोर्ट पर आरोपी शिवलाल यादव पिता फग्गूलाल जाति अहीर निवासी ग्राम निघोरी भानपुर के विरुद्ध बलात्कार का मामला दर्ज किया गया था, पीड़ीता ने उल्लेख किया है कि आरोपी यह जानते हुए कि महिला आदिवासी गोंड समाज की है फिर भी जबरदस्ती बलात्कार किया है, महिला की रिपोर्ट पर आरोपी के विरूध्द समनापुर थाना में अपराध धारा 64,127(2)बी.एन.एस. एवं 3(1)()(पप),3(2)(अ) एससीध्एसटी एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया । इस दौरान पीड़ीता का मेडिकल परीक्षण जिला अस्पताल डिण्डौरी में कराया गया । मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एसडीओपी बजाग पुरूषोत्तम सिंह मरावी एवं निरी. कामेश कुमार धूमकेती थाना प्रभारी समनापुर द्वारा टीम गठित कर आरोपी शिवलाल यादव की गिरफ्तारी हेतु पता तलाश किया गया , आरोपी को उसके घर से हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया, आरोपी ने जुर्म करना स्वीकार किया जिसे विधिवत गिरफ्तार किया जाकर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय डिण्डौरी पेश किया गया । उक्त घटना के आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश करने में एसडीओपी बजाग पुरूषोत्तम सिंह मरावी , थाना प्रभारी समनापुर निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती, उपनिरी. पारस यादव, महिला आर. 126 पूजा डंडेरवाल की सराहनीय भूमिका रही है ।

पति, सास, ससुर और जेठ के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

दहेज में मोटर सायकल की मांग ,

परिवार परामर्श केन्द्र में नही हुई सुलह

डिंडौरी । समनापुर थाना अंतर्गत रहने वाली महिला ने अपने पति , सास, ससुर, और जेठ पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कोतवाली थाना डिण्डौरी में लिखित षिकायत दर्ज करायी है, महिला की षिकायत पर पुलिस ने धारा 85 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। महिला ने अपने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंच लिखित षिकायत दर्ज कराते हुए बतलाया कि मेरी शादी लगभग चार वर्ष पहले 2019 जून माह में समनापुर थाना अंतर्गत एक गांव में रम्मू सिह पिता चतुर सिंह इटौरिया के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी शादी के बाद से पति रम्मू सिंह तथा मेरे ससुर चतुर सिंह इटौरिया सास लीला बाई एवं जेठ राजेन्द्र इटौरिया सभी शादी में बहुत कम दहेज दिये हो कहकर मोटर सायकल नही देने की बात कहकर आये दिन परेषान करना और गाली गलौच देते हुए मायके चले जाने को कहते थे, खाना पीना में भी परेषान करते है ,कई दिनों तक भूखे रह जाती थी । इसी बीच मेरी एक संतान भी हुई जिसके चलते मै सोचती थी कि एक दिन सास ससुर जेठ एवं पति सुधर जायेगें लेकिन शादी के साल भर बाद 2020 में सास ससुर और जेठ द्वारा दहेज की बात को लेकर मुझसे मारपीट कर ससुराल से भगा दिये, तब मै अपने डेढ़ महीने के बच्चे को लेकर अपने मायके आ गई । और पति तथा ससुराल वालों को समझाने के लिए परिवार परामर्ष केन्द्र में आवेदन दी थी परिवार परामर्ष केन्द्र में 26.12.24 को पेषी थी जिसमें मेरे पति सास ससुर और जेठ सब लोग आये थे । परिवार परामर्ष केन्द्र प्रभारी द्वारा पति तथा ससुराल वालों को समझाने का काफी प्रयास किया गया , लेकिन वह लोग नही माने तथा परिवार परामर्ष केन्द्र के बाहर दोपहर 3 बजे डिण्डौरी रेस्ट हाऊस के नीचे मेरे माता पिता तथा भाई ने भी ससुराल वालों को समझाने का प्रयास किया , तो पति रम्मू सिंह , ससुर चतुरंसिह और जेठ राजेन्द्र इटौरिया बोलने लगे कि जब तक दहेज में मोटर सायकल लेकर नही आओगी तब तक तुझे नही रखेगें और गाली गलौच देते हुए मारने पीटने को तैयार हो गये थे । दहेज को लेकर पति सास ससुर और जेठ द्वारा शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ति किया गया है, जिस पर महिला ने कार्यवाई की मांग की है। पीडिता की षिकायत पर कोतवाली पुलिस ने पति सास ससुर और जेठ के विरूद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में आयोजित हुए जनशिविर

डिंडौरी। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शासन की योजनाओं को धरातल पर साकार करने के उद्देश्य से निरंतर जनशिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 392 शिविरों का आयोजन किया जाना है, इसी क्रम में आज शनिवार को शहपुरा जनपद पंचायत के तहत ग्राम पंचायत पिपरियाकला, बडझर अमठेरा,छीरपानी, चंदवाही इदोरी एवं जनपद पंचायत बजाग के तहत ग्राम पंचायत बजाग माल, बजाग रैयत, बिलाई खार, विक्रमपुर सारंगपुर में शिविरों का आयोजन किया गया। शहपुरा क्लस्टर में आयोजित जनशिविर शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के मुख्य आथित्य में संपन्न हुए। विधायक ओम प्रकाश धुर्वे ने बड़झर अमठेरा में 15वें वित्त के तहत एक सीसी रोड का लोकार्पण एवं एक अन्य सीसी रोड का भूमिपूजन किया। इस दौरान विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन आपके द्वार तक आपकी समस्याओं का निराकरण करने पहुंच रही है। अभियान के तहत शासन और प्रशासन मिलकर ग्राम के मुद्दों को सुलझाने का सार्थक प्रयास कर रही है। ग्राम पंचायतों में कुछ ऐसे लोग भी है, जिन्हें योजना का लाभ किसी कारणवश नहीं मिला पाया है, उन्हें शिविर में निराकृत कर रहे है। चिन्हित समस्याओं को हल करने लक्ष्य बनाकर कार्य कर रहे है। विधायक धुर्वे ने वृद्धा पेंशन, मातृत्व वंदना योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, सम्बल कार्ड, प्रसूति सहायता आदि योजनाओं के सम्बन्ध में ग्रामीणों से चर्चा की, उन्होंने कहा कि सचिव, सरपंच, रोजगार सहायक के सहयोग से सभी को योजनाओं से वंचित लाभार्थी लाभ प्राप्त कर सकते है, इसके लिए घर घर सर्वे कर लाभ दिया जाएगा। शिविर में लोगों को चिन्हित कर जानकारी सम्बंधित विभागों को दी जा रही है, जिससे हितग्राहियों को लाभ मिल सकेगा। भारत सरकार एवं म.प्र. सरकार की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं में शत - प्रतिशत सेचुरेशन एवं आमजन तक शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान 11 दिसम्बर 2024 से प्रारंभ होकर 26 जनवरी 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपनी सहभागिता निभाते हुए बड़ी संख्या में शिविरों में शामिल हो रहे हैं। शिविर में आए हितग्राहियों को शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। शिविरों में जनसुलभ तक शासन की योजनाओं का लाभ सुगमतापूर्वक पहुंचाया जा रहा है। शिविरों में पंचायत विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभाग जन जन तक प्रशासन आपके द्वार की संकल्पना को पूरा कर रहे हैं। इस दौरान विधायक धुर्वे ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया।

मृत अवस्था में मिली मानसिक रूप से बीमार महिला

डिंडौरी । कोतवाली थाना अंतर्गत सिधौली गांव में शुक्रवार सुबह एक खेत में मानसिक रूप से बीमार महिला का शव मिला जिसके बाद परिजनों ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी ।

पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए शव के पंचनामा कार्यवाई के बाद पीएम करा परिजनों को सौप दिया है। मृतिका के भतीजे ने पुलिस को बतलाया चाची सिधौली के बैगा टोला में अपने सात वर्षीय लड़के के साथ लगभग 10 वर्षो से रह रही थी जो शारीरिक बीमारी से परेषान थी देषी और डॉक्टरी इलाज भी करायी थी लेकिन आराम नही मिला , जिसके चलते दिमांगी संतुलन खो दिया था और शराब सेवन करने लगी थी , अत्यधिक शराब पीने की आदि हो गई थी । गुरूवार रात लगभग 10 बजे शराब के नषे में निकली थी जो वापस नही आई थी शुक्रवार सुबह लगभग 10.30 बजे मोहल्ले के बच्चों ने बतलाया कि तुम्हारी चाची खेत के पास पडी हुई है जाकर देखा तो मृत अवस्था में पडी हुई थी मौत का कारण दिमांगी हालत ठीक नही होने और शराब के नषे में खेत की मेढ़ से गिर जाने से होना प्रतीत होता है।

रंगमंच भानपुर में मिला राजेश का शव

परिजन नहीं मिलने पर समाज सेवकों ने किया अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । थाना क्षेत्र बजाग में ग्राम भानपुर के दुर्गा मंच पर ग्रामीणों की जानकारी देने पर पता चला कि एक राजेश नाम का भिखारी मरा हुआ है, तब जानकारी अनुसार ग्राम के सरपंच गंगा बाई मरावी और उनके पति बोधसिंह मरावी ने थाना में मर्ग दर्ज कराया। पुलिस प्रशासन तत्काल मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर विधिवत कार्यवाही करते हुए पंचनामा बनाकर शव का पोस्टमार्टम कराया। क्षेत्रीय ग्रामीणों, समाजसेवियों और सरपंच पति बोधसिंह मरावी के सहयोग और पुलिस स्टाप संगीता उइके, हवलदार गोविंद मार्को, सहयोगी प्रवीण साहू , विनोद कुमार सहित ग्रामीणों के सहयोग से अंतिम संस्कार किया गया।

खबर संक्षेप

आर्यन छिरा का हुआ हैडबॉल प्रतियोगिता में चयन

गोटेगांव। राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता हेतु 17 वर्ष में मध्यप्रदेश टीम में आर्यन छिरा का चयन हुआ। आर्यन छिरा उमाशंकर छिरा के सुपुत्र है।सहयोग क्रीड़ा मण्डल के बेनर तले उमाशंकर छिरा और उनके साथी कोचों प्रकाश राकेशिया, इंदु ठाकुर, शोभाराम,राहुल,उमाकान्त, नीरज पटेल, दीपक पटवा,शाहबाज खान,संदीप राजपुत, द्वारा कबड्डी, हैंडबाल,वॉलीबॉल, एथेलेटिक्स, ताइक्वांडो,अन्य खेल प्रतियोगिता हेतु बालक बालिकाओ को ट्रेनिंग दी जा रही है।उमाशंकर छिरा और साथियों द्वारा 250 से अधिक बच्चों को प्रतिदिन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आर्यन छिरा का राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता तेलंगाना राज्य हेतु चयन होने पर सभी साथियों और कोच ख़लिाडियो ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का हुआ समापन

विधायक महेंद्र नागेश ने स्वयं सेवको प्रमाण पत्र वितरण किया

गोटेगांव के जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम भामा में श्री जगद्गुरु शंकराचार्य महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर के अंतिम दिवस विधायक महेंद्र नागेश ने शिविर में पहुंच कर स्वयं सेवकों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर शुभकामनाएं दी कार्यक्रम में सर्वप्रथम विधायक एवं अन्य अतिथियों ने ब्रह्मलीन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज एवं स्वामी विवेकानंद जी के तैल चित्र का पूजन किया कार्यक्रम अधिकारी ने सात दिन तक शिविर में जो गतिविधि की उसको अतिथियों के समक्ष रखी विधायक महेंद्र नागेश ने अपने उद्बोधन में स्वयं सेवकों से कहा की यह आप लोगों की कड़ी मेहनत है जो पढ़ाई के साथ समाज सेवा कार्य भी कर रहे है अच्छा स्वयं सेवक राष्ट निर्माण करता है शुभकामनाएं दी इस दौरान ग्रामवासी उपस्थित है।

बेहतर परीक्षा परिणाम को लेकर दिये निर्देश

संयुक्त संचालक की अध्यक्षता में शिक्षा कर्मियों की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर प्राचीश जैन की अध्यक्षता में हाई एवं हायर सेकेण्डरी की बोर्ड परीक्षा के उत्कृष्ट परिणाम एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के समुचित क्रियान्वयन के संबंध में जिले के समस्त हाई स्कूल हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के प्राचार्यों की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान में सम्पन्न हुई। बैठक में एपीसी दीपक अग्निहोत्री ने बैठक प्रमुख एजेंडा के अनुसार सत्र 2024-25 का विद्यालय का त्रैमासिक व अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम, कक्षा दसवीं एवं बारहवीं वर्ष 2024 का बोर्ड परीक्षा परिणाम तथा वर्ष 2025 के बोर्ड परीक्षा परिणाम में वृद्धि के लिए एक्शन प्लान और अन्य विषय की जानकारी दी।

विषयवार मॉनिटरिंग के दिये निर्देश

बैठक में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर श्री जैन ने कहा कि बच्चों का परीक्षा परिणाम हमारा दर्पण है, जो यह बताता है कि विद्यालय में वर्षभर बच्चों को कितनी मेहनत से पढ़ाया। वार्षिक परिणाम बेहतर रहे शिखर पर स्थिर रखना यह हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। इस पर प्राचार्यों ने आश्वस्त किया। विकासखंडवार समीक्षा करते हुए सहायक संचालक लोक शिक्षण डीके खरे ने प्राचार्यों को टिप्स देते हुए मिशन मोड में शैक्षणिक कार्य योजना बनाकर छात्र- छात्राओं के ग्रुप विभाजन कर शिक्षक को कक्षा में नियमित शिक्षण की जिम्मेवारी देना, शिक्षक या अतिथि शिक्षकों द्वारा जो पढ़ाया जा रहा है, वह विद्यार्थियों को समझ आ रहा है या नहीं, विषयवार कक्षा में मॉनिटरिंग करें। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी व विकासखंड शिक्षा अधिकारी को शिक्षकों की ऑनलाइन मॉनीटरिंग, छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति, शिक्षकों के अवकाश पर रोक लगाने और पालक से सतत संपर्क करने निर्देश दिए।

रूक सकती है वेतन वृद्धि

जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार ने हाई एवं हायर सेकेण्डरी वार्षिक परीक्षा की तैयारी पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हाई एवं हायर सेकेण्डरी वार्षिक परीक्षा परिणाम 85 प्रतिशत से कम आने पर संबंधित विषय के शिक्षक एवं प्राचार्य की दो वेतन वृद्धि रोकने की की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अतिरिक्त कक्षा प्रातः काल में अवश्य लगाने, मॉनिटरिंग के लिए जिले से निरीक्षण दल तैयार करने, विधिवत कार्ययोजना के साथ शैक्षणिक गतिविधियों को संचालित करने, बच्चों के घर पर मॉनिटरिंग के लिए प्रत्येक विषय शिक्षक अभिभावक को वार्डन नियुक्त करने, एमपीटीएएस पोर्टल पर विद्यार्थियों की प्रोफाइल पंजीयन एवं छात्रवृत्ति स्वीकृत कार्य को तत्काल शत-प्रतिशत पूर्ण करने,

वर्ष 2023- 24 एवं 2024- 25 के शेष रहे छात्र- छात्राओं के लिए साइकिल वितरित की जावें, शिक्षा पोर्टल पर विद्यार्थियों के असफल खाते अपडेट करने, जिले में गठित 87 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा पूर्व आवश्यक व्यवस्था, संस्था में पदस्थ नवीन उमा शिक्षक, उच्च पद प्रभार पर गये उमा शिक्षकों के परीक्षा केन्द्राध्यक्ष व सहायक केन्द्राध्यक्षों के दायित्वों से अवगत कराने के निर्देश दिये।

मान्यता को लेकर दिये निर्देश

उन्होंने प्रयोगिक परीक्षा के लिए जिन विषय शिक्षकों के तीन वर्ष पूर्ण हो जाने के उपरात (पात्र शिक्षकों) की जानकारी उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर भेजने, परीक्षा पर चर्चा के लिए रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही पूर्ण करने, डापबॉक्स, अपारआईडी, जाति प्रमाण पत्र के कार्य की प्रगति, मान्यता फाईल पूर्ण करने के भी निर्देश दिये। जिला शिक्षा अधिकारी ने 31 दिसंबर 2024 की स्थिति में प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षकों के स्वीकृत कार्यरत पदों, शून्य शिक्षकों वाली शालाओं, शून्य दर्ज एवं 10 से कम दर्ज नामांकन वाली शालाओं की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में लोक शिक्षण जबलपुर से संभागीय वीसी मनोज काशिव, योजना अधिकारी जीके नायक सहित जिले के हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी विद्यालयों के समस्त प्राचार्य, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी और अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत मामलों का किया जा रहा निपटारा

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में राजस्व विभाग के अधिकारी- कर्मचारी द्वारा जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान नामांतरण, अभिलेख दुरस्ती, नक्शा अद्यतन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग और फार्मर रजिस्ट्री के कार्य किये जा रहे हैं, जबकि 30 दिसम्बर तक बंटवारा, सीमांकन व परंपरागत रास्तों के चिन्हांकन संबंधी कार्य शतप्रतिशत किया जा चुका है। राजस्व महाअभियान 3.0 के अंतर्गत 3 जनवरी तक नामांतरण के 872, जो 99.66 प्रतिशत, अभिलेख दुरूस्ती के 63, जो 87.50 प्रतिशत, नक्शा अद्यतन के 56 हजार 764 जो 15.86 प्रतिशत, आधार से आरओआर खसरे की 26 हजार 957 की लिंकिंग और फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत कुल 31 हजार 342, जो 32.67 प्रतिशत का कार्य जिले में किया जा चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में नामांतरण के तहसील नरसिंहपुर 170, करेली में 61, गोटेगांव में 183 व तेंदूखेड़ा में 138 शतप्रतिशत कार्य किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर तहसील सांईखेड़ा में 57 जो 98.28 प्रतिशत व गाडरवारा में 263 जो 99.25 प्रतिशत के कार्य हुए हैं। अभिलेख दुरूस्ती में तहसील नरसिंहपुर व सांईखेड़ा में शतप्रतिशत कार्य किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर तहसील करेली में करेली 6 जो 66.67 प्रतिशत, गाडरवारा में 41 जो 89.13 व तेंदूखेड़ा में 5, जो 83.33 प्रतिशत है।

3 वर्ष से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना ठेमी पुलिस द्वारा गुंडे, बदमाश, वारंटी एवं संदिग्धों की तलाशी हेतु नरसिंहपुर पुलिस का विशेष अभियान में एनडीपीएस के मामले में 3 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया गया। जिले में अपराधों पर लगाम लगाने, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नरसिंहपुर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत फरार आरोपियों, गुंडे बदमाश, लंबे समय से फरार वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु जिले में विशेष टीमों का गठन किया जाकर लगातार धरपकड़ की जा रही है। थाना ठेमी के अपराध क्रमांक 105/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के आरोपी आरोपी संजय पिता मानक लाल लोधी, उम्र करीबन 32 साल, निवासी खापा, थाना ठेमी जो कि 3 वर्ष से फरार चल रहा था जिसका माननीय न्यायालय द्वारा स्थायी वारंट जारी किया गया था। उक्त फरार स्थायी वारंटी की गिरफ्तारी हेतु जिसकी गिरफ्तारी हेतु थाना स्तर पर विशेष टीम का गठन किया गया था जिसके द्वारा मुखबिर के माध्यम से सूचनाएं एकत्रित कर एवं तकनीकी माध्यमों से पतासाजी की गयी जिस पर जानकारी प्राप्त हुयी कि उक्त आरोपी ग्राम मगरधा आया हुआ है सूचना प्राप्त होते ही ग्राम मगरधा में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु घेराबंदी की गयी जिस पर आरोपी को गिरफ्त में लेने में सफलता प्राप्त हुयी है। उक्त फरार वारंटी की पतासाजी एवं गिरफ्तारी में थाना प्रभारी ठेमी निरीक्षक रत्नाकर हिंगवे, सउनि राजेश तिवारी प्रधान, आरक्षक अवधेश पटेल, आरक्षक चंद्र प्रताप की मुख्य भूमिका रही है।

बालासाहेब की जयंती पर काव्य पाठ आज

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। स्थानीय पंडित विद्या प्रसाद शर्मा वृद्ध सामुदायिक सदन में बाला साहेब की जन्म जयंती पर काव्य पाठ का आयोजन किया गया है। अखिल भारतीय कल्याण आश्रम के संरक्षक एवं प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष बालासाहेब देशपांडे के जन्म जयंती अवसर पर रखी गयी उक्त काव्य पाठ में जिले के कोने-कोने से आये कवि काव्य पाठ करेंगे। उक्त आयोजन वनस्वर समिति द्वारा कराया जा रहा है।

अज्ञात ने महिला पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस बाजार से घर लौट रही महिला पर अज्ञात व्यक्ति ने लोहे की राड से हमला कर दिया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तुलसा बाई नौरिया पति अन्नी लाल उम्र 55 वर्ष निवासी पटेल कॉलोनी साकल रोड थाना कोतवाली को साकल तिराहे के पास अज्ञात व्यक्ति द्वारा लोहे की राड से हमला कर घायल कर दिया गया जिस उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर कर दिया गया।

सड़क हादसे मे दो घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस सड़क दुर्घटना मे दो लोग घायल हो गये। मिली जानकारी के अनुसार धर्मलाल पिता राम सिंह जाटव उम्र 42 वर्ष एवं मोहन जाटव करेली से खुलरी के तरफ जा रहे थे तभी गन्ने से भरे वाहन से टकरा गये जिन्हे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है। बताया गया कि कोहरा घना होने के कारण सामने खड़े वाहन को नही देख पाये।

व्यक्ति ने खाया जहर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस व्यक्ति द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भूपेन्द्र पिता लोटन सिंह राजपूत उम्र 45 वर्ष निवासी बम्हौरी थाना करेली द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

बटांकन कराने कलेक्टर को दिया आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासन द्वारा राजस्व अभियान चलाकर किसानों के लंबित प्रकरणों का निपटारा किया जा रहा है। वही दूसरी ओर किसानों के मामलों का निराकरण पटवारी द्वारा नही किया जा रहा है। जिसे लेकर किसान को कलेक्टर आवेदन देकर कार्रवाई की मांग करना पड़ रहा है। ऐसा ही मामला सामने आया जहां पर किसान ने कलेक्टर को आवेदन देकर कार्रवाई मांग की गई। किसान मंसाराम कौरव द्वारा दिये गये आवेदन मे बताया गया कि खेती का बटांकन कराने के लिये आवेदन दिया गया था। जिसे आठ माह बीत जाने के बाद पटवारी से पूछ गया तो पटवारी द्वारा बताया गया कि फाइल कलेक्टर पास गई हुई है। जिस पर किसान कलेक्टर पास बटांकन की मांग करते हुये आवेदन लेकर पहुंचा।

नर्मदा घाटों पर समुचित सुविधाओं की जरूरत

मकर संक्रांति पर होगी विशेष भीड़, लगेंगे जगह जगह मेले

तेंदूखेड़ा। आने वाली 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर क्षेत्र के सभी पुण्य सलिला मां नर्मदा के तटों पर श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रहेगी। वहीं पर्व विशेष की डुबकी लगाने को लेकर एक दिन पूर्व से ही नर्मदा घाटों पर पहुंच जायेंगे । पुण्य सलिला मां नर्मदा का पावन नर्मदा तट ककरा घाट पर गाडरवारा तेंदूखेड़ा क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए जन आस्था का केंद्र बन गया है। यहां पर नरसिंहपुर जिले के साथ साथ रायसेन और सागर जिले के श्रद्धालु बड़ी संख्या में प्रत्येक अमावस्या पूर्णिमा को पहुंचा करते हैं। लेकिन उक्त घाट पर उत्तर तट पर समुचित सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। जिससे श्रद्धालु परेशान देखे जाते हैं। यहां पर सबसे बड़ी समस्या मुख्य सड़क मार्ग से घाट तक पहुंचने के लिए सड़क का कटाव हो जाने के कारण आवागमन में असुविधा हुआ करती है।तथा दोनों तरफ से भी कटाव हो गया है। जिससे पैदल जाने वाले श्रद्धालुओं को भी परेशानी हुआ करती है। मुख्य सड़क से घाट तक सड़क की समुचित व्यवस्था की जरूरत है। चूंकि यह व्यवस्था दोनों तरफ से बनीं हुई है पुल के बाजू से भी बड़ी संख्या में कटाव हो जाने से आवागमन में परेशानी होने लगी है।

घाट पर नहीं हैं प्रकाश की व्यवस्था

इस घाट पर अक्सर कर श्रद्धालु पहुंचते रहते हैं। लेकिन यहां पर रात्रि के समय प्रकाश की व्यवस्था ना होने के कारण अंधेरे में ही आना जाना करना पड़ता है विशेष रूप से पुल से ही दोनों तरफ बड़े बड़े हाईमास्क लगने से घाट पर पर्याप्त प्रकाश हो सकता है। चूंकि महिला वर्ग जो सोने चांदी के जेबर पहनकर आती है उनके लिए तथा उठाई गीरों से सावधानी की दिशा में यह व्यवस्था नितांत जरूरी है।साथ ही साथ अस्थाई सुलभ शौचालय की भी जरूरत है घाट पर स्वच्छता और गंदगी के मान से यहां पर्व विशेष पर अस्थाई तौर पर चलित शौचालयों की व्यवस्था की जाये।

मुख्य सड़क पर लगता है जाम

पर्व विशेष को लेकर श्रद्धालु जन एक दिन पूर्व से ही पैदल यात्रा करके पुण्य सलिला के तटों पर पहुंचा करतें हैं। गाडरवारा तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग पर अक्सर कर भारी बाहनों का आवागमन जारी रहता है। इनकी आवा-जाही प्रतिबंध लगे। दोनों तरफ से बड़ी संख्या में वाहनों के आवागमन के चलते घंटों जाम की स्थिति बनतीं है यहां पर उचित पार्किंग व्यवस्था भी नहीं लोग अपने दो पहिया और चार पहिया वाहन घाट तक लेकर पहुंचते हैं। कुछ दिन पूर्व ही इस मार्ग पर एक गंभीर घटना घटित हो जाने से एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है और क्षेत्रीय लोगों के द्वारा प्रशासन के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में यह विंदु रखे भी गये हैं।

विभिन्न घाटों तटों पर लगते हैं मेले

पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट एवं भगवान ब्रह्मा की तपस्थली ब्रम्हांड घाट में मकरसंक्रांति से नर्मदा जयंती तक तो 15दिवसीय मेले का आयोजन हुआ ही करता है वहीं ककरा घाट बिल्थारी बारह सिमरिया छत्तरपुर घाट करोंदी शोकलपुर घाटों के साथ साथ मृगन्नाथ धाम पीपरवानी की पहाड़ी पर भी परम्परागत मेले का आयोजन हुआ करता है।इन मेलों में विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत हमेशा से महसूस की जाती रहती है। लेकिन पुलिस बल की कमी होने के कारण मुख्य स्थानों पर ही व्यवस्था के साथ इति श्री हो जाती है।

नर्मदा के कछार के भटे का अंदाज ही निराला

तेंदूखेड़ा। भगवान ब्रह्मा की तपस्थली ब्रम्हांड घाट के कछार में पैदा होने वाले भटों (बैंगन) का अंदाज ही निराला है। महीन बीज रेशामुक्त लगभग 5 से छः सात किलो तक होने वाले इस भटे को दूर दूर तक के लोग खरीद कर ले जाते हैं। बरमान घाट में स्नान करने आने वाले लोग भर्ता बाटी का स्वाद लेकर जरुर जाते हैं। साथ ही वर्ष भर पिकनिक पार्टी में भर्ता बाटी का अपना एक अलग ही आनंद लुत्फ उठाया जाता है। सैकड़ों एकड़ में इस फसल को लगाया जाता है अन्य जगह की अपेक्षा इस कछार के भटों की कीमत कुछ अलग ही हुआ करती है। और अन्य प्रांतों में भी यहां का भटा लोग खरीद कर ले जाते हैं। भटा उत्पादक किसानों का कहना है कि कई वर्षों से इसके बीज को संजोकर रखे हुए हैं हर साल इस बीज को तैयार कर लिया जाता है। अन्य स्थानों क्षेत्रों के भटे मोटा और कड़क हुआ करते हैं। लेकिन यहां के भटे का अंदाज ही अलग है। इसलिए लोग भर्ता बाटी के रुप में पसंद करते हैं। इसके स्वाद के साथ इस भटे की यह विशेषता है कि आग में पकने के बाद यह स्वयं महीन हो जाता है जो सतधारा धरमपुरी बरमान रामघाट और केसली घाट तक उत्पादन हुआ करता है। इस भटे को बुंदेलखंड महाकौशल विंध्य क्षेत्र के साथ विभिन्न प्रांतों में इसकी मांग के साथ लोग चाव से खाते हैं।

जी आई टैग मिलने की उम्मीद

जी आई टैग वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी आर्गेनाइजेशन यह एक तरह का लेबिल हुआ करता है जो किसी खास भौगोलिक क्षेत्र से जुड़े उत्पाद के रुप में पहचाना जाता है।जी आई टैग मिलने से बैगन इस भटे को अपनी एक अलग पहचान मिलने के साथ कानूनी संरक्षण कीमत और महत्व भी मिल जायेगा। एक जानकारी के मुताबिक जी आई टैगिंग के लिए सभी जरुरी प्रक्रियाओं को पूर्ण कर लिया गया है। पूर्व में टैगिंग से संबंधित आवश्यक दस्तावेज चेन्नई भेजे जा चुके हैं अब केवल हियरिंग होना ही शेष रह गया है। हियरिंग होते ही जी आई टैग मिल जायेगा। तथा देश विदेश में एक बड़ा मार्केट भी मिल सकेगा। उत्पादन करने वाले किसानों को आर्थिक मजबूती भी मिल जायेगी।

विद्यालयों को सकारात्मक ऊर्जा के केंद्र बनाएं-राम अरावकर

गोटेगांव। स्थानीय सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सरस्वती शिक्षा परिषद जबलपुर द्वारा आयोजित प्रांतीय प्राचार्य बैठक के दौरान राम अरावकर ने कहा - कार्यकर्ता व विद्यालय दोनों आवश्यक हैं, विद्यालय की बोलती दीवारें हों, अपेक्षित परिणाम के साथ साथ प्रशिक्षित आचार्य,आधुनिक भौतिक संसाधन प्रभावी आकर्षक भवन, सुसज्जित परिसर,कार्यशाला के साथ संस्कार संरक्षण युवा पीढ़ी का निर्माण करना है।इस अवसर पर अमित दवे प्रांत संगठन मंत्री महाकौशल प्रांत जबलपुर, डॉ. सुधीर अग्रवाल प्रांत सचिव सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत जबलपुर,नीरज खरे प्रांतीय सह सचिव सरस्वती शिक्षा परिषद विष्णुकांत ठाकुर कोषाध्यक्ष सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत शिवानंद सिन्हा प्रांत प्रमुख सरस्वती शिक्षा परिषद जबलपुर रवि शंकर शुक्ल अखिल भारतीय संयोजक नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा व सभी प्रांत के पूर्णकालिक बंधु एवं विभाग समन्वयक प्रधानाचार्य बंधु भगिनी। कार्यक्रम का संचालन विभाग समन्वयक बैकुण्ठ शाह ने किया।